समझदार धोबी

बर्मा की लोककथा

धोबी औंग कियिंग को गाँव में बर्फ़ से ढँके पहाड़ों की तरह साफ़ कपड़े धोने की "जादुई" क्षमता के लिए सराहा जाता है. धोबी की सफलता से ईर्ष्या के कारण एक विश्वासघाती पड़ोसी राजा को धोखा देकर औंग कियिंग को एक असंभव काम देता है. राजा के साधारण काले हाथी को एक सफ़ेद हाथी में बदलने के लिए वो अपने कौशल का उपयोग करे. यदि वो फेल होगा तो उसे अपने प्रिय राज्य से हमेशा के लिए निकाल दिया जाएगा.

विनम्र धोबी को पता है कि उसके पास ज्ञान और कड़ी मेहनत ही एकमात्र "जादू" है - लेकिन क्या वे उसे बचाने के लिए पर्याप्त होंगे?

बर्मा में बहुत पहले, धोबी औंग कियिंग गंदे कपड़ों को अपने स्टीम लॉन्ड्री टब के ऊपर, रगड़-रगड़कर साफ़ करता था. सभी लोग मानते थे कि धोबी का लॉन्ड्री टब जादुई काम करता था, क्योंकि उनके कपड़े बर्फ से ढंके पहाड़ों जैसे सफेद बन जाते थे. औंग कियिंग लोगों की प्रशंसा से खुश होता था लेकिन वो जानता था कि सफलता के पीछे उसकी कड़ी मेहनत ही जिम्मेदार थी.

कुम्हार नारथु, औंग कियिंग का पड़ोसी था और उसकी सफलता से जलता था. "मेरा पड़ोसी अमीर हैं और उसके पास एक बेहतर घर है," कुम्हार ने कहा. "वो किस तरह मुझ से बेहतर है? देखो वो कैसे पानी में खेलता है और पूरे दिन ख़ुशी के गाने गाता है. मैं भी मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए उतनी ही मेहनत करता हूं लेकिन मेरे प्रयासों की कोई तारीफ नहीं करता है." नारथु ने घूर कर देखा. उसके सामने मिट्टी का ढेर पड़ा था. लेकिन उसने यह तय किया कि मिट्टी अभी काम के लिए बहुत गर्म थी. इसलिए उसने मिट्टी को छाँव में फैलाया और फिर औंग कियिंग के खिलाफ साजिश रचने लगा.

नारथु जानता था कि उसे चालाकी से काम करना होगा क्योंकि वो राजा, पगन मिन को गुस्सा नहीं करना चाहता था. राजा को शाही कपड़े धोने के लिए सिर्फ औंग कियिंग पर ही भरोसा था. स्थिति पर कई घंटे सोचने के बाद, नारथु के दिमाग में अचानक एक बढ़िया विचार आया जिससे राजा की नज़र में उसकी शान बढ़ती और उसके पड़ोसी की प्रतिष्ठा बर्बाद होती. कुम्हार ने अपनी बेहतरीन रेशम लुंगी पहनी और रेशम के चमकीले मफलर में अपना सिर लपेटा. उसने अपने सबसे शानदार मिट्टी के बर्तन का एक उपहार चुना और फिर राजा से मिलने चला.
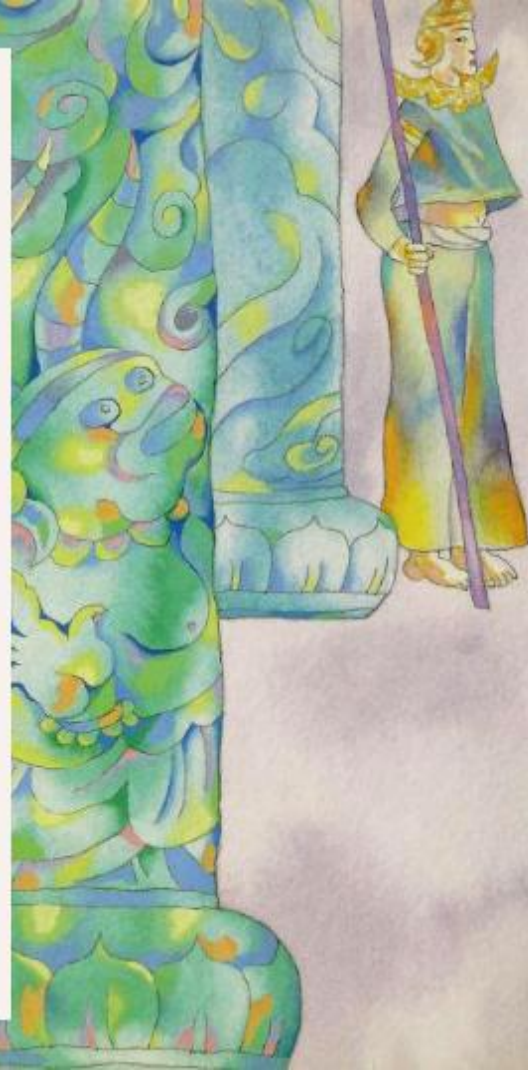
पगन मिन के सामने लाए जाने के बाद, नारथु ने कहा:
"एक हज़ार हाथियों के मालिक," उसने कहा, "आप एक महान राजा हैं और बेहतरीन चीजों के लायक हैं."
"आह!," राजा ने कहा, जिन्हें प्रशंसा पसंद थी. “मुझे अच्छी चीज़ें पसंद हैं. और वैसी चीज़ें मेरे आस-पास हर जगह हैं.” उसके बाद राजा ने अपने चमकते हुए सिंहासन, सोने के मुकुट और सुनहरे छत्र की ओर इशारा किया.
"ठीक," नारथु ने अपनी सहमति व्यक्त की, "सभी तरफ उम्दा और शानदार चीज़ें हैं."
"लगभग!" राजा ने अपने सिंहासन पर खड़े होते हुए कहा, "बताओ, पूर्णता में कहाँ कमी है?"

"ठीक है, महाराज," नारथु ने झिझकते हुए नम्रता का परिचय दिया. "आप मुझे क्षमा करें, पर मैं आपके हाथी के बारे में बात करना चाहता हूँ."

"मेरे हाथी में क्या खराबी है?" राजा ने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा.

"आपका हाथी सिलेटी रंग का है महाराज, जबकि इतिहास के सभी दिग्गज राजाओं ने सफेद हाथियों पर सवारी की थी. आपको भी एक सफ़ेद हाथी चाहिए.

सभी लोग जानते थे कि पगन मिन के दिल में सफ़ेद हाथी पाने की इच्छा थी. वैसे किसी ने पहले सफ़ेद हाथी कभी देखा नहीं था. लेकिन वो प्राणी बहुत महत्व का प्रतीक था.

शिकारियों को जंगल से सफ़ेद हाथी पकड़कर लाने के लिए पगन मिन ने, माणिक और सोने की मोहरों के थैले देने का वादा किया था.

मुझे पता है कि आपको एक सफेद हाथी कैसे मिल सकता है,'' नारथु ने अपनी धूर्तता जारी रखी. "क्यों न आप औंग कियिंग को अपना सिलेटी हाथी धोने के लिए कहें? निश्चित रूप से वो अपने जादू से उसे सफेद बना देगा." और अगर वो यह नहीं कर पाया, उसने सोचा, तो धोबी को हमेशा के लिए राज्य से निकाल दिया जाएगा.

राजा को सफ़ेद हाथी की प्रबल इच्छा थी और वो इच्छा अब उस पर हावी हो गई. राजा, नारथु की योजना से मोहित हो गया. तुरंत उन्होंने एक संदेशवाहक को धोबी के पास अपना आदेश लेकर भेजा.

औंग कियिंग को कुछ भी समझ में नहीं आया. "भला, मैं क्या करूँ?" उसने पूछा. "मैं एक सिलेटी हाथी को सफेद नहीं बना सकता. लेकिन अगर मैं राजा की बात मानने से इनकार करता हूं, तो वो निश्चित रूप से मुझे राज्य से निकाल देगा."

स्थिति के बारे में और अधिक जानने के लिए, धोबी ने सावधानीपूर्वक दूत से कुछ प्रश्न पूछे. दूत ने जो कुछ भी घटा, वो धोबी को बताया. धोबी ने रात भर स्थिति के बारे के सोचा. सुबह तक उसने खुद को बचाने की एक योजना बनाई.

औंग कियिंग ने अपनी सबसे अच्छी सूती लुंगी पहनी, अपने सिर पर सूती कपड़ा लपेटा और राजा के महल की ओर चल पड़ा. जब उसे पगन मिन के सामने पेश किया गया, तो उसने जमीन को छूकर अपना सिर झुकाया.

"महान राजा, मैं आपका आदेश ज़रूर मानूंगा, और आपके सिलेटी हाथी को सफेद बनाने के लिए जो कुछ भी मेरी शक्ति में है, मैं ज़रूर करूंगा. लेकिन ऐसा महत्वपूर्ण और कठिन काम तब ही सफल होगा जब कुछ शर्तें पूरी हों."

"कौन सी शर्तें?" राजा ने पूछा.
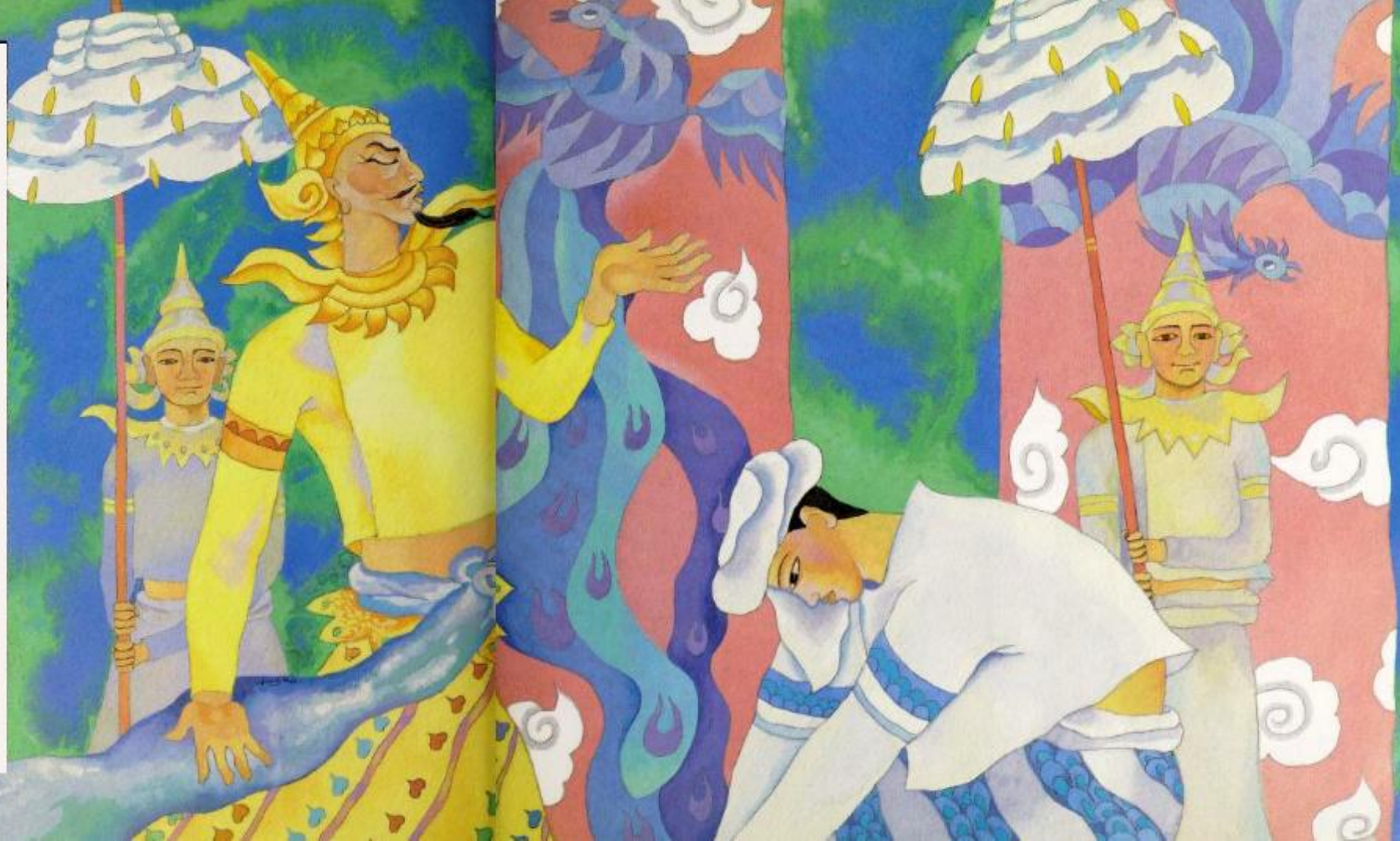
औंग कियिंग ने कहा, "थिंग्यान - जल-पर्व (वाटर फेस्टिवल) के पहले दिन हाथी की धुलाई का काम होगा. पुराने साल की काली करतूतों को साफ़ करने का वो शुभ समय होगा. उस दिन गांव में हर कोई पानी का बर्तन लेकर आएगा. बर्तन, साबुन के गर्म पानी से भरा हुआ होगा. और हां, कुम्हार नारथु को हाथी को पकड़ने के लिए मिट्टी की एक बड़ा पात्र बनाना होगा. हाथी को नहलाने के लिए नदी ठीक नहीं होगी, क्योंकि पानी की धार मेरे गर्म साबुन को बहाकर ले जाएगी." राजा, सफेद हाथी के लिए बहुत उत्सुक था, इसलिए उसने धोबी की हर मांग स्वीकार की.
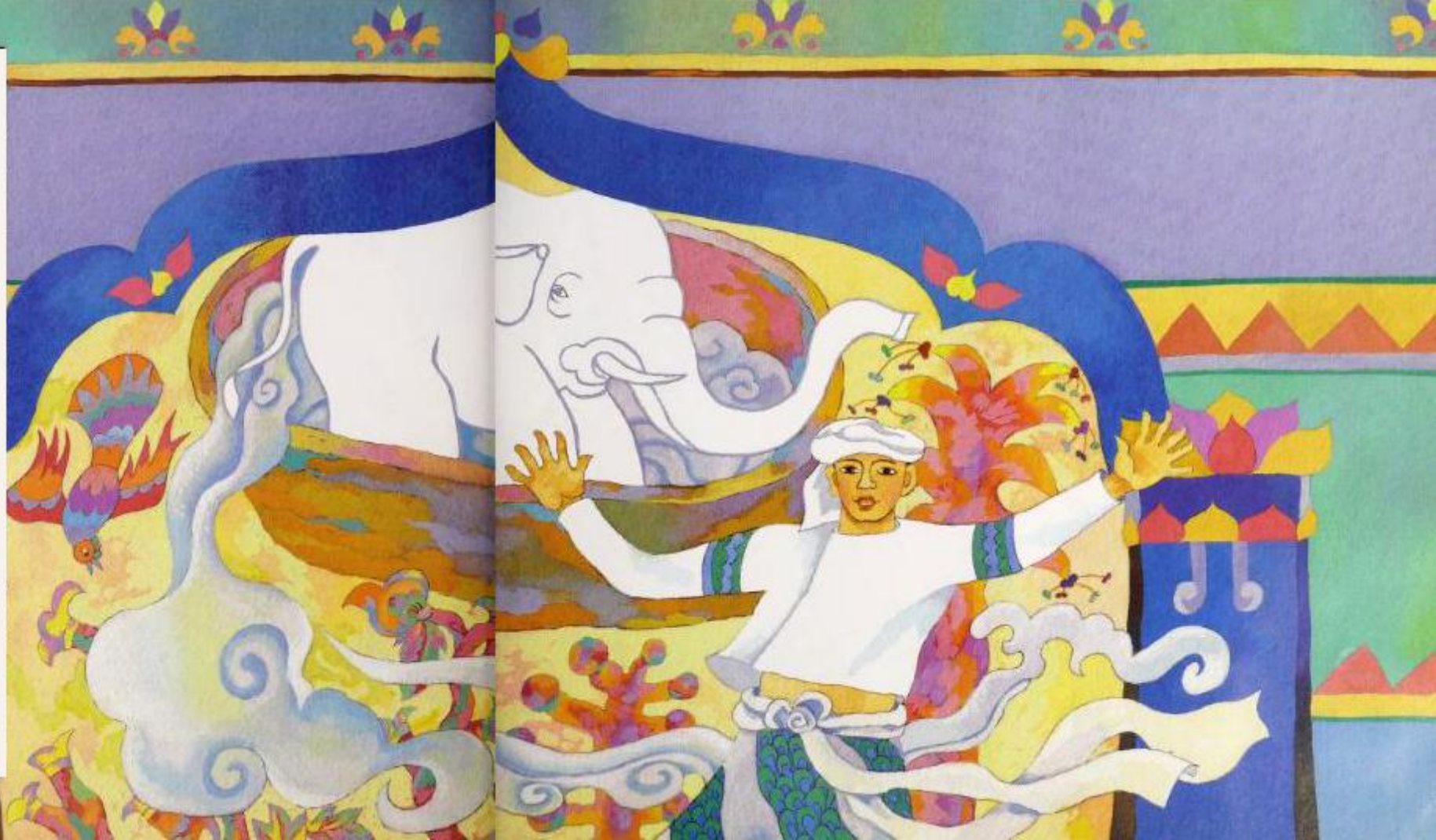
जब राजा की आज्ञा के बारे में नारथु को बताया गया तो वो मना नहीं कर पाया. उसने एक विशाल भट्टी बनाने के लिए एक बड़ा छेद खोदा और अपने झोंपड़े के समान मिट्टी का ढेर एकत्र किया. इसके बाद उसने बड़ा पात्र बनाने के लिए छेद में चारों ओर मिट्टी की एक मोटी कुंडली को घुमाया. फिर उसने ज़मीन के छेद को पुआल और ताड़ के पत्तों से भरा, और मिट्टी के पात्र को पकाने के लिए उनमें आग लगा दी.

थिंग्यान के पहले दिन, नारथु और उसके सभी रिश्तेदारों ने सांचे में उस विशाल पात्र को ठंडा किया फिर उसे उठाया, और फिर उसे हाथी के नहाने वाले स्थान पर खींचकर ले गए. राज्य के प्रत्येक नागरिक ने उस बड़े पात्र में, साबुन के गर्म पानी की एक-एक बाल्टी डाली. जब पात्र भरा जा रहा था, तब शाही महावत राजा के सिलेटी हाथी को लेकर उसे उत्साहित दर्शकों की भीड़ में से विशाल पात्र की ओर लेकर गए. वहां पर अपना काम शुरू करने के लिए औंग कियिंग पहले से ही तैयार खड़ा था. जैसे ही हाथी ने पानी में कदम रखने के लिए अपना एक पैर उठाया, तभी भीड़ ने एक गहरी सांस ली.

लेकिन जब विशाल हाथी का पैर पात्र में उतरा, तो एक ज़ोरदार आवाज़ हुई और मिट्टी का पात्र टुकड़े-टुकड़े हो गया और साबुन का पानी पगन मिन, औंग कियिंग, और आस-पास के सभी लोगों पर तेज़ धार के रूप में आकर गिरा.

"तुम!" पगन मिन गुस्से में, नारथु की ओर इशारा करते हुए चिल्लाया, "किस तरह के कुम्हार हो! जो हाथी पकड़ने का इतना कच्चा पात्र बनाते हो! मैं तुम्हें अभी राज्य से निष्कासित करके उत्तरी पहाड़ियों में भेजता हूं."
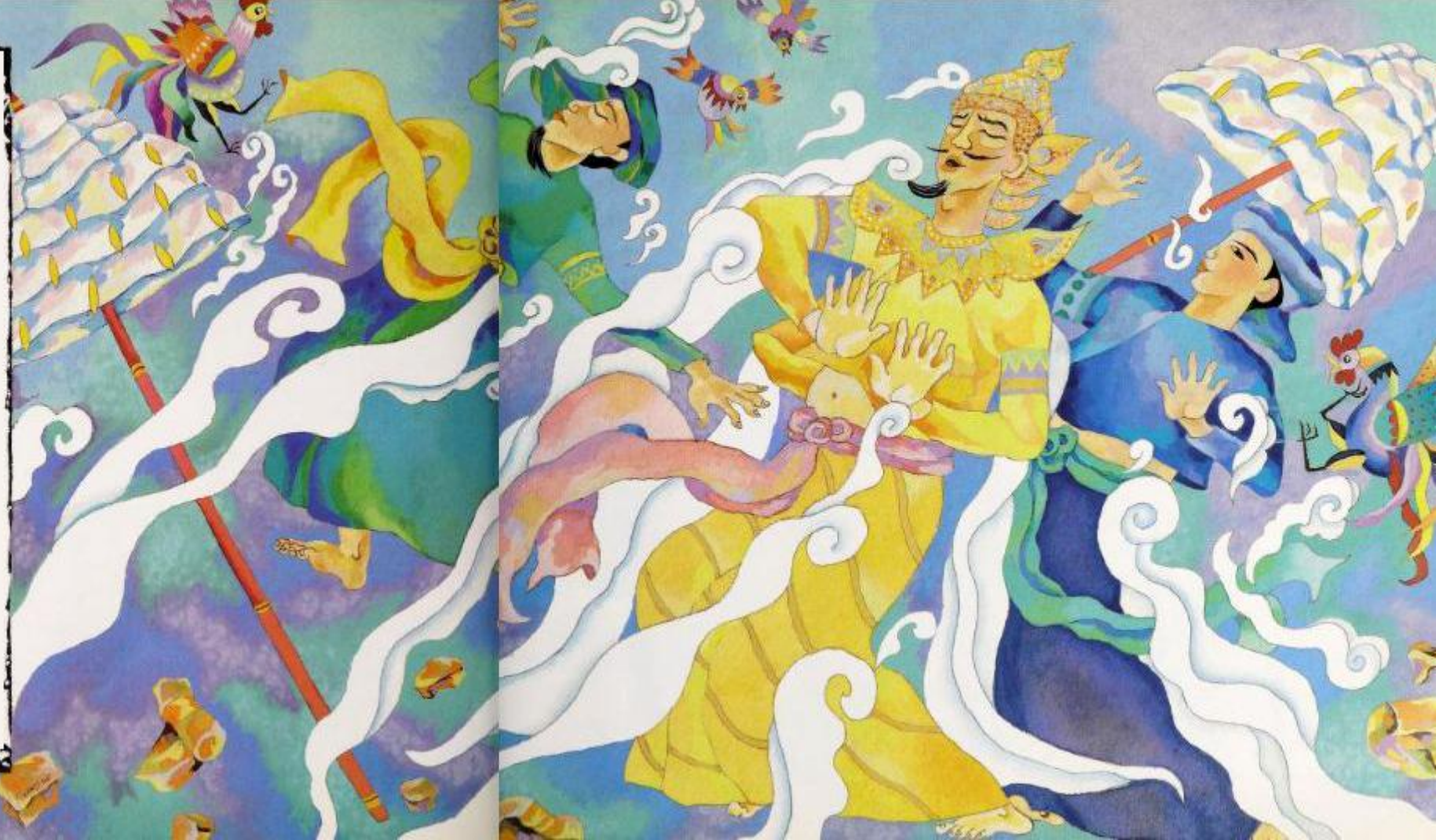
बेशक, एक बड़े पात्र के बिना औंग कियिंग हाथी को नहलाने और साफ़ करने का काम ठीक तरीके से नहीं कर सकता था. इसलिए पगन मिन ने परेड में अपने सिलेटी हाथी पर सवारी करने का ही फैसला लिया.

थिंग्यान के बाद, औंग कियिंग ने अपने वॉश-टब पर अपना जीवन दुबारा शुरू किया. जल-पर्व के बाद कई और लोग अपने कपड़े औंग कियिंग के पास लाए. फिर भी उसे नारथु के लिए दुःख महसूस हुआ. नारथु अब क्या करेगा? नारथु ने पूरी ज़िंदगी अच्छे-अच्छे बर्तन बनाए थे, लेकिन वो कभी भी अपनी प्रतिभा से संतुष्ट नहीं था.

समाप्त